सम्मान | स्टैनफोर्ड एल्सेवियर रिपोर्ट के अनुसार एक लाख से अधिक शीर्ष विज्ञानियों का बनाया गया डेटाबेस

शीर्ष विज्ञानियों की सूची में शामिल हुए डा. भास्कर

जासं, रांची : झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय (सीयूजे) के पर्यावरण विज्ञान विभाग में बतौर सहायक प्रोफेसर कार्यरत डा भास्कर सिंह का नाम इन दिनों चर्चा में है। हाल ही में स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी की एल्सेवियर द्वारा प्रकाशित विश्व के शीर्ष 2 प्रतिशत विज्ञानियों की सूची में उन्हें शामिल किया गया है।

स्टैनफोर्ड एल्सेवियर रिपोर्ट के अनुसार एक लाख से अधिक शीर्ष विज्ञानियों का सार्वजनिक रूप से उपलब्ध डेटाबेस बनाया गया है। जो एच इंडेक्स, सह लेखकता, समायोजित एचएम इंडेक्स, विभिन्न लेखक पदों में कागजात के उदाहरण और समग्र मानकों की जानकारी प्रदान करता है। यह डेटाबेस स्व उदाहरणों को छोड़ उनकी संख्या या 2 प्रतिशत या उससे अधिक के प्रतिशत रैंक द्वारा शीर्ष एक लाख से अधिक विज्ञानियों पर आधारित है। उनकी इस उपलब्धि पर झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय प्रबंधन ने बधाई व शुभकामनाएं दी हैं।

डा भास्कर सिंह, सहायक प्रोफेसर, पर्यावरण विज्ञान विभाग ● जागरण

राज्य में बायोडीजल के विकास को लेकर डा. भास्कर के द्वारा विभिन्न स्तरों पर प्रयोग किए गए हैं, भविष्य की ऊर्जा पर प्रस्तुत किए है कई रिपोर्ट

ऊर्जा और जैव प्रौद्योगिकी विषय पर किए शोध हुए शामिल

स्टैनफोर्ड एल्सेवियर रिपोर्ट में शीर्ष 2 प्रतिशत विज्ञानियों के लिए बनाई गई दो सूची में शामिल किया गया है। उर्जा और जैव प्रौद्योगिकी विषय पर किए गए शोध को दूसरी सूची में समाहित किया गया है। बायोडीजल विकास की विभिन्न पहलुओं और ईंधन गुणों में सुधार के साथ साथ माइनिंग डंप स्वाइल आफ वेस्ट सिंहभूम में बायो इनर्जी प्लांट्स के इस्तेमाल पर भी काम किया जा रहा है।

बनाई गईं हैं दो सूचियां

स्टैनफोर्ड एल्सेवियर रिपोर्ट में शीर्ष 2 प्रतिशत विज्ञानियों के लिए दो सूचियां बनाई गई हैं। पहली सूची करियर के लंबे आंकड़ों पर आधारित है और दूसरी सूची एक साल के प्रभाव (2020-21) पर आधारित है। डा भास्कर का नाम ऊर्जा (उप क्षेत्र 1) और जैव प्रौद्योगिकी (उप क्षेत्र 2) विषय की दूसरी सूची में है। डा भास्कर सिंह बायोडीजल विकास की विभिन्न पहलुओं फीडस्टाक्स, कटैलिसीस, ईंधन गुणों में सुधार आदि के क्षेत्र में काम कर रहे हैं। साथ ही अन्य समकालीन पर्यावरणीय मुद्दों के बारे भी जानकारी प्रदान कर रहे हैं। स्कोपस के अनुसार डा भास्कर सिंह के 69 प्रकाशन हैं। जिनमें 3960 उदाहरण हैं और उनके लेखों का वर्तमान एच इंडेक्स 26 है।